Series : RLH/1

Code No.
कोड नं. **3/1/3**

Roll No.
रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

HINDI
हिन्दी
(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 100*
निर्धारित समय : 3 घंटे] *[अधिकतम अंक : 100*

निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र के* ***चार*** *खण्ड हैं – 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।*

(ii) *चारों खण्डों के उत्तर देना अनिवार्य है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

खण्ड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

दैनिक जीवन में हम अनेक लोगों से मिलते हैं जो विभिन्न प्रकार के काम करते हैं – सड़क पर ठेला लगाने वाला, दूध वाला, नगर निगम का सफाईकर्मी, बस कंडक्टर, स्कूल अध्यापक, हमारा सहपाठी और ऐसे ही कई अन्य लोग । शिक्षा, वेतन, परम्परागत चलन और व्यवसाय के स्तर पर कुछ लोग निम्न स्तर पर कार्य करते हैं तो कुछ उच्च स्तर पर । एक माली के कार्य को सरकारी कार्यालय के किसी सचिव के कार्य से अति निम्न स्तर का माना जाता है, किन्तु यदि यही अपने कार्य को कुशलतापूर्वक करता है और उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करता है तो उसका कार्य उस सचिव के कार्य से कहीं बेहतर है जो अपने काम में ढिलाई बरतता है तथा अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह नहीं करता । क्या आप ऐसे सचिव को एक आदर्श अधिकारी कह सकते हैं ? वास्तव में पद महत्त्वपूर्ण नहीं है, बल्कि महत्त्वपूर्ण होता है कार्य के प्रति समर्पण भाव और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता ।

इस संदर्भ में गाँधीजी से उत्कृष्ट उदाहरण और किसका दिया जा सकता है, जिन्होंने अपने हर कार्य को गरिमामय मानते हुए किया । वे अपने सहयोगियों को श्रम की गरिमा की सीख दिया करते थे । दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों के लिए संघर्ष करते हुए उन्होंने सफाई करने जैसे कार्य को भी कभी नीचा नहीं समझा और इसी कारण स्वयं उनकी पत्नी कस्तूरबा से भी उनके मतभेद हो गए थे ।

बाबा आमटे ने समाज द्वारा तिरस्कृत कुष्ठ रोगियों की सेवा में अपना समस्त जीवन समर्पित कर दिया । सुंदरलाल बहुगुणा ने अपने प्रसिद्ध 'चिपको आंदोलन' के माध्यम से पेड़ों को संरक्षण प्रदान किया । फ़ादर डेमियन ऑफ मोलोकाई, मार्टिन लूथर किंग और मदर टेरेसा जैसी महान आत्माओं ने इसी सत्य को ग्रहण किया । इनमें से किसी ने भी कोई सत्ता प्राप्त नहीं की, बल्कि अपने जनकल्याणकारी कार्यों से लोगों के दिलों पर शासन किया । गांधीजी का स्वतंत्रता के लिए संघर्ष उनके जीवन का एक पहलू है, किन्तु उनका मानसिक क्षितिज वास्तव में एक राष्ट्र की सीमाओं में बँधा हुआ नहीं था । उन्होंने सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन किए । यही कारण था कि कभी किसी पंचायत तक के सदस्य नहीं बनने वाले गांधीजी की जब मृत्यु हुई तो अमेरिका का राष्ट्रध्वज भी झुका दिया गया था ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 1

(ii) विभिन्न व्यवसाय करने वाले लोगों के समाज में निम्न स्तर और उच्च स्तर को किस आधार पर तय किया जाता है ? 2

(iii) एक माली अथवा सफाईकर्मी का कार्य किसी सचिव के कार्य से बेहतर कैसे माना जा सकता है ? 2

(iv) 'वास्तव में पद महत्त्वपूर्ण नहीं है, बल्कि महत्त्वपूर्ण होता है कार्य के प्रति समर्पण भाव और कार्य-प्रणाली में पारदर्शिता ।'

उपर्युक्त पंक्तियों को अपने शब्दों में समझाइए । 2

(v) उस संदर्भ का उल्लेख कीजिए जिसके कारण गांधीजी का अपनी पत्नी से मतभेद हो गया था । 1

(vi) बाबा आमटे और सुंदरलाल बहुगुणा किन महत्त्वपूर्ण कार्यों के लिए जाने जाते हैं ? 1

(vii) गांधीजी की मृत्यु पर अमेरिका ने उनके सम्मान में क्या किया था और क्यों ? 1

(viii) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए – निर्धन, उपेक्षित । 1

(ix) उपर्युक्त गद्य-खण्ड से चुनकर तत्पुरुष समास के दो उदाहरण दीजिए । 1

2. निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी **एक** पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

साक्षी है इतिहास हमीं पहले जागे हैं,
जाग्रत सब हो रहे हमारे ही आगे हैं ।
शत्रु हमारे कहाँ नहीं भय से भागे हैं ?
कायरता से कहाँ प्राण हमने त्यागे हैं ?
हैं हमीं प्रकम्पित कर चुके, सुरपति तक का भी हृदय ।
फिर एक बार हे विश्व तुम, गाओ भारत की विजय ।।
कहाँ प्रकाशित नहीं रहा है तेज हमारा,
दलित कर चुके शत्रु सदा हम पैरों द्वारा ।
बतलाओ तुम कौन नहीं जो हमसे हारा ,
पर शरणागत हुआ कहाँ कब हमें न प्यारा !
बस युद्ध-मात्र को छोड़कर कहाँ नहीं हैं हम सदय !
फिर एक बार हे विश्व तुम, गाओ भारत की विजय !

(i) 'पहले जागे हैं' से क्या तात्पर्य है ? 2

(ii) 'हैं हमीं प्रकंपित कर चुके सुरपति तक का भी हृदय' – कथन से हमारी किस विशेषता का बोध होता है ? 1

(iii) उन पंक्तियों को उद्धृत कीजिए जो हमारी दयालुता और क्षमाशीलता की ओर संकेत करती हैं । 1

(iv) भाव स्पष्ट कीजिए – 'बस युद्ध-मात्र को छोड़कर कहाँ नहीं हैं हम सदय !' 2

(v) विश्व को भारत का जयघोष करने के लिए क्यों कहा गया है ? दो कारणों का उल्लेख कीजिए । 2

अथवा

और पैरों के तले है एक पोखर

उठ रही इसमें लहरियाँ ;

नील जल में जो उगी है घास भूरी,

ले रही वह भी लहरियाँ ।

एक चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा,

आँख को है चकमकाता ।

हैं कई पत्थर किनारे,

पी रहे चुपचाप पानी ।

प्यास जाने कब बुझेगी !

चुप खड़ा बगुला,

डुबाए टाँग जल में ;

देखते ही मीन चंचल –

ध्यान-निद्रा त्यागता है,

चट दबाकर चोंच में –

नीचे गले के डालता है ।

(i) पोखर की घास लहरियाँ लेती हुई क्यों प्रतीत हो रही थी ? 2

(ii) उन पंक्तियों को उद्धृत कीजिए जिनमें चंद्रमा के प्रतिबिंब का चित्रण है ? 2

(iii) 'प्यास जाने कब बुझेगी !' – कवि को किसकी प्यास बुझने के बारे में संदेह है और क्यों ? 2

(iv) बगुले की ध्यान निद्रा कब टूटती है और क्यों ? 2

खण्ड – 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए : **10**

(क) अपना भला सब करते हैं । अपना लाभ हो तो कभी दूसरों की भी सोचते हैं । दिखावे का धर्मपालन करते हैं । धार्मिक बनते हैं, पर सच तो यह है कि परोपकार से बड़ा कोई धर्म नहीं ।

(ख) शहरों की अपनी समस्याएँ हैं । प्रगति की दौड़ में हम गाँवों की ओर कम देख रहे हैं । हमारे गाँव और उनकी समस्याएँ शहरों से भिन्न हैं ।

(ग) मैंने तय कर लिया है अपने जीवन का लक्ष्य, जिसे मैं हर स्थिति में प्राप्त करूँगा/करूँगी ।

4. वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर छोटी बहन को बधाई देते हुए पत्र लिखिए । **5**

अथवा

अपने क्षेत्र की गलियों की गंदगी की ओर ध्यान आकर्षित करने और अविलंब उचित कदम उठाने का अनुरोध करते हुए नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए ।

खण्ड – 'ग'

5. क्रिया-पद छाँटकर उसका भेद लिखिए : **3**

(i) अभिनव ने हेमलता को मकान खरीद कर दिया ।

(ii) मैं वहाँ नहीं आ सकूँगा ।

(iii) ब्लू लाइन बसों का कहर थम नहीं रहा है ।

6. नीचे दिए गए वाक्यों से आश्रित उपवाक्य चुनकर उनके भेद भी लिखिए : **3**

(i) जब प्रशांत मेरे पास पहुँचा, तब लगभग पाँच बजे थे ।

(ii) ऐसा कोई नहीं है जो कुश्ती में खली को जीत सके ।

(iii) मैंने देखा कि कुछ लोग मेरी ओर तेज़ी से बढ़े आ रहे थे ।

7. निर्देशानुसार वाच्य बदलिए : **3**

(i) मैं दरवाज़ा नहीं खोल सकता । (कर्मवाच्य में)

(ii) सुनीता विलियम्स द्वारा उद्घाटन किया गया । (कर्तृवाच्य में)

(iii) मैं सोच नहीं सकता । (भाववाच्य में)

8. (क) दिए गए वाक्यों में रेखांकित समस्त पदों का विग्रह कीजिए और समास का नाम भी बताइए : 2

(i) वह सारा क्षेत्र त्रिभुज जैसा लग रहा था ।

(ii) वह रात-दिन परिश्रम कर रहा है ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** के दो विभिन्न अर्थ-सूचक वाक्य बनाइए : 1

वर्ण, जाल ।

9. नीचे दिए गए वाक्यों के रिक्त स्थानों में उपयुक्त अव्यय पद भरिए । साथ ही यह भी लिखिए कि वे पद कौन-कौन से अव्यय हैं ? 3

(i) नरेन्द्र घर के __________ बैठा है ।

(ii) विराज __________ रमा दोनों सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने गईं ।

(iii) चीखो मत, __________ बोलो ।

खण्ड – 'घ'

10. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2 = 6

(क) हमारैं हरि हारिल की लकरी ।
मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी ।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी ।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी ।
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी ।
यह तो 'सूर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी ।।

(i) गोपियाँ कृष्ण को 'हारिल की लकड़ी' क्यों कहती हैं ?

(ii) गोपियों को रात-दिन किस बात की रट लगी रहती है ? क्यों ?

(iii) गोपियों के अनुसार योग की आवश्यकता कैसे लोगों को है ?

अथवा

(ख) यश है न वैभव है, मान है न सरमाया,
जितना ही दौड़ा तू, उतना ही भरमाया ।
प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृग-तृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है ।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन –
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना ।

(i) जीवन में कवि क्या कुछ पाने के लिए दौड़ता फिरा जो उसे नहीं मिला ?

(ii) 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है' द्वारा कवि जीवन की किस सच्चाई पर प्रकाश डालता है ?

(iii) 'मृग-तृष्णा' का आशय स्पष्ट कीजिए । यहाँ मृग-तृष्णा किसे कहा गया है ?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : 3 + 3 + 3 = 9

(क) ऋतुराज की 'कन्यादान' कविता के आधार पर बताइए कि आपके विचार से माँ ने ऐसा क्यों कहा – 'लड़की होना, पर लड़की जैसी दिखाई मत देना ।'

(ख) फसल को 'हाथों के स्पर्श की गरिमा' और 'महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है ?

(ग) देव द्वारा रचित 'पायन नूपुर मंजु बजै .....' सवैये में 'श्री ब्रज दूलह' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है और उसे 'संसार रूपी मंदिर का दीपक' क्यों कहा गया है ?

(घ) राम-परशुराम-लक्ष्मण संवाद के आधार पर संक्षेप में लिखिए कि परशुराम की क्रोधपूर्ण बातें सुनकर लक्ष्मण ने उन्हें शूरवीर की क्या पहचान बताई ?

12. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1 × 5 = 5

(क) मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया ।
आलिंगन में आते-आते मुसक्याकर जो भाग गया ।
जिसके अरुण कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में,
अनुरागिनी उषा लेती थी, निज सुहाग मधुमाया में ।
उसकी स्मृति पाथेय बनी है, थके पथिक की पंथा की ।
सीवन को उधेड़कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की ?

(i) कवि कैसा स्वप्न देखकर जाग गया ?
(ii) कवि ने प्रेयसी के सौंदर्य की प्रशंसा किस प्रकार की है ?
(iii) कविता में थका पथिक कौन है ?
(iv) स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है ?
(v) इन काव्य पंक्तियों के भाषा-सौंदर्य पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए ।

(ख) विहँसि लखनु बोले मृदु बानी । अहो मुनीसु महाभट मानी ।।
पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारू । चहत उड़ावन फूँकि पहारू ।।

(i) 'विहँसि' पद के प्रयोग-सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए ।
(ii) लक्ष्मण ने मधुर वाणी में क्या व्यंग्य किया ?
(iii) लक्ष्मण ने परशुराम के लिए किन विशेषणों का प्रयोग किया और क्यों ?
(iv) परशुराम का बार-बार कुल्हाड़ा दिखाना क्या व्यक्त करता है ?
(v) भाषा-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए – 'चहत उड़ावन फूँकि पहारू' ।

13. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी **एक** पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 + 2 + 2 = 6**

(क) फ़ादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है । उनको देखना करुणा के निर्मल जल में स्नान करने जैसा था और उनसे बात करना कर्म के संकल्प से भरना था । मुझे 'परिमल' के वे दिन याद आते हैं जब हम सब एक पारिवारिक रिश्ते में बँधे जैसे थे, जिसके बड़े फ़ादर बुल्के थे । हमारे हँसी-मज़ाक में वे निर्लिप्त शामिल रहते, हमारी गोष्ठियों में वह गंभीर बहस करते, हमारी रचनाओं पर बेबाक राय और सुझाव देते और हमारे घरों के किसी भी उत्सव और संस्कार में वह बड़े भाई और पुरोहित जैसे खड़े हो हमें अपने आशीषों से भर देते ।

(i) आशय स्पष्ट कीजिए :

'उनको देखना करुणा के निर्मल जल में स्नान करने जैसा था और उनसे बात करना कर्म के संकल्प से भरना था ।'

(ii) लेखक फ़ादर कामिल बुल्के से संबंधित किन-किन मधुर स्मृतियों में खो जाता है ?

(iii) उपर्युक्त पंक्तियों से फ़ादर के व्यक्तित्व की कौनसी दो सर्वाधिक प्रमुख विशिष्टताएँ स्पष्ट होती हैं, संक्षेप में लिखिए ।

(ख) और शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया । सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ । नवाबी आदतें, अधूरी महत्त्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिये पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती-थरथराती रहती थी । अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी, जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब-तब हम लोग भी उनकी चपेट में आते ही रहते ।

(i) आशय स्पष्ट कीजिए – 'सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया' ।

(ii) लेखिका के पिता अपनी विवशताओं को अपने परिवार के सामने भी स्पष्ट क्यों नहीं कर पाते थे ?

(iii) लेखिका के अनुसार जीवन के अंतिम दिनों में पिता के बहुत अधिक शक्की बन जाने के क्या कारण थे ?

14. (क) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा स्त्री-शिक्षा के समर्थन में दिए गए विचारों को अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए । **3**

(ख) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा जाता है ? **2**

15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए : **3 + 3 + 3 = 9**

(क) 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर बताएँ कि बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा किन-किन रूपों में प्रकट हुई है ?

(ख) कैप्टन (चश्मेवाला) मूर्ति का चश्मा बार-बार क्यों बदल देता था ? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(ग) 'लखनवी अंदाज़' कहानी में नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक-मिर्च बुरका, अन्तत: सूँघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया । बताइए कि उन्होंने ऐसा क्यों किया ? उनका ऐसा करना उनके कैसे स्वभाव का परिचायक है ?

(घ) आग की खोज एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है ? इस खोज के पीछे रही प्रेरणा के मुख्य स्रोत क्या रहे होंगे ? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

16. दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : $2 + 2 + 2 = 6$

(क) 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में गंतोक को मेहनतकश बादशाहों का शहर क्यों कहा गया है ?

(ख) 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा' में दुलारी के लिए टुन्नू क्या चीज़ लेकर आया था और उसने लाने का क्या कारण बताया था ?

(ग) मूर्तिकार ने क्या सुझाव दिया और उसे सुनकर सभापति ने क्या प्रतिक्रिया प्रकट की ? – 'जार्ज पंजम की नाक' के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'माता का अंचल' कहानी के आधार पर बताइए कि पिता के साथ अधिक जुड़ाव होने पर भी विपदा के समय भोलानाथ माँ की ही शरण क्यों लेता है ?

17. हिरोशिमा की घटना का उल्लेख करते हुए बताइए कि मनुष्य किन-किन रूपों में विज्ञान का दुरुपयोग करने में प्रवृत्त होता जा रहा है ? 4

अथवा

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर बताइए कि आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति के साथ किस तरह का खिलवाड़ किया जा रहा है ? इसे रोकने में आपकी क्या भूमिका होनी चाहिए ?